भारत सरकार
मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय
पशुपालन और डेयरी विभाग
लोकसभा
अतारांकित प्रश्न संख्या- 1558
दिनांक 29 जुलाई, 2025 के लिए प्रश्न

एनपीडीडी की योजनाएं

1558.श्री हरीभाई पटेलः

क्या **मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार राष्ट्रीय डेयरी विकास कार्यक्रम (एनपीडीडी) योजना का कार्यान्वयन कर रही है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या राज्य सहकारी डेयरी संघ/जिला सहकारी दुग्ध उत्पादक संघ/एसएचजी स्व-सहायता संगठन इस योजना के अंतर्गत प्राथमिक शीतलन सुविधाओं के लिए अवसंरचना के निर्माण/सुदृढ़ीकरण तथा गुणवत्तापूर्ण दूध परीक्षण उपकरणों के लिए निजी डेयरियों/दुग्ध उत्पादक किसानों को कोई सहायता प्रदान करते हैं और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) मेहसाणा लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र सहित गुजरात में एनपीडीडी योजना का ब्यौरा क्या है?

उत्तर
मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी राज्य मंत्री
(प्रो.एस.पी. सिंह बघेल)

(क) जी हां, पशुपालन और डेयरी विभाग वर्ष 2014-15 से देश भर में "राष्ट्रीय डेयरी विकास कार्यक्रम (एनपीडीडी)" योजना को कार्यान्वित कर रहा है। एनपीडीडी को निम्नलिखित दो घटकों के साथ कार्यान्वित किया जा रहा है:-

(i) एनपीडीडी योजना का **घटक 'क'** राज्य सहकारी डेयरी परिसंघों/जिला सहकारी दुग्ध उत्पादक संघों/स्वयं सहायता समूहों (SHGs)/दुग्ध उत्पादक कंपनियों/किसान उत्पादक संगठनों के लिए गुणवत्तापूर्ण दूध परीक्षण उपकरणों के साथ-साथ प्राथमिक शीतलन सुविधाओं के लिए अवसंरचना के सृजन /सुदृढ़ीकरण पर ध्यान केंद्रित करता है।

(ii) एनपीडीडी योजना के **घटक 'ख'** "सहकारिता के माध्यम से डेयरी" का उद्देश्य संगठित बाजार तक किसानों की पहुंच बढ़ाकर, डेयरी प्रसंस्करण सुविधाओं और विपणन अवसंरचना को उन्नत करके तथा उत्पादक स्वामित्व वाली संस्थाओं की क्षमता में वृद्धि करके दूध और डेयरी उत्पादों की बिक्री में वृद्धि करना है।

(ख) एनपीडीडी योजना के अंतर्गत, राज्य सहकारी डेयरी परिसंघों/जिला सहकारी दुग्ध उत्पादक संघों/स्वयं सहायता समूहों/दुग्ध उत्पादक कंपनियों/किसान उत्पादक संगठनों को प्राथमिक शीतलन सुविधाओं के साथ-साथ गुणवत्तापूर्ण दुग्ध परीक्षण उपकरणों हेतु अवसंरचना के निर्माण/सुदृढ़ीकरण हेतु वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। इस योजना के अंतर्गत, अब तक, प्राथमिक/ग्राम स्तरीय डेयरी सहकारी समितियों में 140.65 लाख लीटर शीतलन क्षमता वाले 5707 बल्क मिल्क कूलर, 47,785 स्वचालित दुग्ध संग्रहण इकाई एवं डाटा प्रोसेसिंग एवं दुग्ध संग्रहण इकाई, 7840 मिल्क एनालाइजर और 7550 इलेक्ट्रॉनिक दुग्ध मिलावट परीक्षण उपकरण स्थापित किए जा चुके हैं।

(ग) एनपीडीडी योजना के अंतर्गत, गुजरात में 552.82 करोड़ रुपये (337.52 करोड़ रुपये के केंद्रीय हिस्से सहित) के कुल परिव्यय के साथ 8 परियोजनाओं को अनुमोदन दिया गया है, जिसमें से कार्यान्वयन एजेंसियों को 246.10 करोड़ रुपये जारी किए गए हैं। इसमें मेहसाणा दुग्ध संघ के लिए 290 बल्क मिल्क कूलर, मिल्क एनालाइजर के साथ 678 स्वचालित दुग्ध संग्रहण इकाई, 500 इलेक्ट्रॉनिक दूध मिलावट परीक्षण मशीन लगाने और मेहसाणा डेयरी संयंत्र प्रयोगशाला को सुदृढ़ करने के लिए अनुमोदित 66.89 करोड़ रुपये (केंद्र का हिस्सा 39.96 करोड़ रुपये) शामिल हैं।

****